

जूझती जूण

मोहम्मद सदीक

प्रकाशक सळाचा प्रकाशन वीकानेर प्रकाशकः : सलमा प्रकाशन वीकानेर

पैलो संस्करण : धगस्त १६७६

🛠 मोहम्मद सदीक

प्राप्ति स्थान : द्वारा थी जमालयां भाटी शकर भवन के पीछे राणी वाजार बीबानेर- ३३४००१

लेखक के मर्वाधिकार सुरक्षित है

मोल : १३) रिविया

मृद्रकः : नेशनल भार्ट प्रेस. बीकानेर

JOOJHTI JOON

(A Collection of Poems in Rajasthani) By

MOHAMMED SADIO Salma Prakashan BIKANER

Price 13.00

हो सबद

आपरं आपं रे खातर मिनखजूस रो जूमसो सूरज रे साथ - साथ कगतो आयो है अर कगतो रीसी।

समता समानता अर सुतंतरता रो परखिएायो पारखी मिनख जुगां - जुगां स्यूं जीवन रा नूँबा अर अनुठा अनुभव ले'र सुगली सगती रैं सुगले सरोत ने सदा जुनोती दी है बकारियों है अर नई दिसा ली है।

मायड़ भाषा रो पाठक होएारे साथ-साथ दूजी भाषावां ऊं म्हारो शांतरो कोनी। अरबी, उदूँ, हिन्दी अर अग्रेजी भाषावां भी आच्छी अंगचंग लाग्योडी है।

दस अर बत्तीस वियाळीस पतफड़ देखरी रैं बाद म्हारी कवितावां रो पैली संकलन "ज्ञुभती जूरा" में म्हारे आदर जोग अर लाडले पाठकां रे हाथां में सुंपर्यो है।

लारलें बीस पच्चीस वस्तां में साथी कवियां वर शायरों रो सम्पर्क म्हारी प्रेरसा यो मूल सरोत र्यो है। बारो बस्से बस्से बस्से

में हूं सोई म्हारी कविता है म्हारी कविता है सोई मैं हूँ।

•

बीकानेर : अगस्त १९७६.

विगत

ŧ	धांकस रें बी बीज ने	¥	२४	सामभामग	X.	,
7	ग्रीच ही ग्राच	5	२६	वैठी-वैटी बीसी यूं	48	
\$	चेत मानसा चेत	3.3	२७	हम्मै कैवो किर-किर बाई६०		
¥	बरियान री बाराद	ξ¥	रेन	मुळ सुळियी	ĘŦ	
×	धरती रा लाडेसर	१७	35	बाड़ रोत ने खाबे है	ęγ	
Ę	मायलो अमूजो	२१	\$0	भन्तस उठ बील्यो	ĘĘ	
v	गुग री धुन्ट	२३	3.8	सप्तमपाट	Ę	
5	कग मत/जाग	2%	३२	बीज बाँभड़ी	90	
3	घरती धकेल	20	33	भाजादी	७१	
80	गुबाइ रो जायो	30	38	दुख शी लागी दूरा	৬২	
\$ \$	होकड़ा छतार	3 8	3%	धमलै रा फूम	৩খ	
१२	चौफर	33	34	सावरयेरी सारगी	99	
१३	सीख	18	30	रव राखें सो रैमी राम	9=	
52	टिल्लो	3%	3=	जोह्य लख घनेक	50	
24	लोक राज	34	36	नवां अरय	=3	
१६	मोसमी क्रकड़ा	३७	Yo	जीमो बेटा रात अधारी		
80	थड़ी करो	35	88	मन रो मान सरोवर	5 5	
\$ =	यो कुश	80	88	मन मछनी	= 5	
१६	आपैरी अपणास	४२	83	कामणी	SE	
२०	मजे जूभगो पड़सी	88	88	हक री कुक	83	
28	तिस री कूल	38	४४	कसुम्बा	£3	
27	म्हारा लाडला	4.5	86	 सीरठा	ξĶ	
२३	सूनै-सूनै पीजरै रा	4.3	es	मुक्तक	Ę	
२४	भरू टिया	ধ্ধ	YE	नूं थीर	१००	

म्रांकस रै बीं बीज ने

मक दोपारी में किल किलाते तावड्यि स्यू तातै तवै सी तपती सड़काँ पर सिकतो/सिसकतो भुळसीजतो/विलखतो उघाडी सरीर पर्गा-उभागों भागतो-भटकतो **मिनखाचारो** ठौड़-ठौड़ टूट्योड़ो मिनख-जमारो थोप्योड़ी थोथी जुरा रै इस पार स्यूं उस पार सड़क रै नीचलै पासै स्यूं कपर नै आए। री घार नीची धूएा पोची जुरा रो घरारी घराय आपरी

कंवळी-क्वारी कांधी पर जुवो जुए रो नसडी रेडतो

हाँफतो हेरतो पसीने रै वैवते बा'ळा में द्रवता चार पोर बारने

निकळचोड़ी जीभ स्यूं टपकती राळाँ हाळी मुँढो ले'र

रवाना होग्यो । माथं अपर लादं ज्यं लद्योड़ा लोग नित नुवों ऊगतो

करडे चढाव पर हरा। जीव से

अरातो वोझ लेर चढगो सामी छाती हाँकिशियाँ रे हाथाँ में होवं रेसमी रास नाथ नै नचावती लाम्बी-आली कामड़ी कुठौड़ मारण ने होवे आँर करने ठोकराँ कामडी री करही मार खावतो-खावतो रास रा लग्गो-लग

लागता भटकौ स्यू छीजते चिरीजते जुमती जुए/६

नाक स्यू वंवतो लोई सींचतो रैवै आँकस रे हीं बीज ने बीं दिन ताँई जद होय घरारे रिसासारे रीस ने रसाय माँय लै चूले हाळी आकरी आँच नै जीवती राख रुखाळसी आपरी आपी देखताँ-देखताँ सगळी साँकळाँ नै तोड पूगसी सागी ठौड़ जठे-- ना छीजै ना चिरीजै ई'रो नाक रास रै अगत भटका स्यू जठे- कामड़ी रो कारोबार कफना र दफना दियो होसी।

स्रॉच ही स्रॉंच

सो' भूठ पएा एक साँच है मिनख री देह में आंच ही आंच है। इस आँच री सँजोरी साँच इए। साँच नै संजोशिया वेत बीजता किसान सडक कटता मजूर जुती गाँठता मोची लो क्रटता लुवार अर गळी बुवारती मेतराणियाँ पेलडे मिनख ऊँ लेर वाज रे मिनख तांई रो अोटीज्योडी आंच रो मंड बोलतो इतिहास है। आंच, उकेरता जाओ देखता जाओ जठै-कठै जद-कद हवा रो फटकारो लाम्यो जुमती जुए/=

इस आंच आपरो आपो दिलायो है फांस में रूस में चीन में वियतनाम में ई'-प्रचिरो ई'घल न-लकड़ी है न-कोयलो न-तेल है न-पेट्रोल इए। आंचनै चायजै जीवती रेग खातर-खावरा ने-मिनख बाँचनै घणी संजोरी करिएया भंवती हवा राभतूळिया भमकतै-तपते भावौरा भंडार-अखूट एक-एक चिएागारी नै ले' र उहाबै, उछाळै कर देवे चौगुस्गी बिखेर देवे उतराद-दिखगाद

बिखर देव उतराद-दिखगाद अगूग्य-मासूँग उपर-नीचे आसं-पासे कोई नईं वेंचे न्यावड़ों में

काचा-पाका ਟ੍ਰਟੈ-ਸੂਟੈ **घर धना हाथां** में बाय ठोकरी-ठीकरी होय ठौड़ ठिकासी लागी आ-आंच आपरो काम पूरी होयाँ पाछुँ साँचनै सामी ल्यासा खातर मिनखने प्रारण देवे तपा-तपा सगळाँनै सरीसा करनाखै फोर अगै इसी धरती पर एक सरीसा मिनव एक सरीसा विसवास एक सरोसो समाज।

चेत मानखा चेत

दिन घोळे भविद्धा रात नै रातींदो बांच्यां होतां सोतां पास् पाडोसी रो पराई बांग्यां स्यू देगगारी गजबूरी। जीवती माधी विद्वाग स आदेव । मिनगरी भी हरावमी स्व सिर पर इमता गीम सप-उपाती धोनही जीम बदयोहा नु बळ-रळनो राती-राती शांग्यां । देगी, घाषोड बाह्बी रै हायां में भूग मिटावरा गातर विस मुमापरा गावर पार गेउ रोहे या ग्हार देख रो

ईं वंलहो रो है
या बीं वंलहो रो
ईंर मैंल कुचैल हावा में
गोळ मटोळ सो
मतोरो है
या मिनल रो माषो।
सुए-ठोल री ठरकाए।
मुक्को रो मार
मुक्को ठोला
लागता लागता पाए।

प्राण् स्याग प्राण् स्याग सावशे सावो जिल्लाम

लापरो लापो बिसराय पुरतीत सी घायोड़ रैं बाजोट पर बोज विखरता फिरसी घरती मार्थ वंस रै वचाव खातर। गिरो कर पाएं। भूखे रो भूख तिसं रो तिस

तिस रा तिस मिटावता ही आया है खुरहो अर खाओ खुरहो तीखें तीखें नूंबां ऊं

बटका भरो लाम्बे मोटे दांतां ऊं गिरी पींचता जाओ अप-आपरी काया

जूमती जूए/१२

मींबता जाओ सींचता जाओ वोबो जीवो अर मटवा करो गुपरोहो या गोपरी पाणी वियां पाछै गिरी गटकायां पाछ गावशियो फॅउसी रुखी फिरमी रेत में बगा बाबोई रोत में माइयां में बंडवर्र में सिपल्लिया गामी रात रा रोजहा रेतरा रेत जनस्ता देग र वेषां रो वेतां बांगाड़ी होएरो टर द्राम भावर मानवा येव चेत-प्रापरं गेतः गातर धेत-आपरी वेल गातर भेत प्रापर पठा गातर ।

m

बरियान री बारादरी

आव, म्हारी कन्ने आव आपां वातां करां थू - यू -यारा कपड़ा ! घोळा घक्क है। ठाहै, मन्त्रे सो दोसै । नैडो अंडरमव म्हारै कपड़ां रो मैल थारे कपड़ां पर नई लाग ला थारी जुएारी जूएा ही मेल-पूरूफ है। स्रा एकर तुं हवारे सरीदै खड़यो ही फेर देख म्हारी तावड़े तपी ज्योड़ी देही स्यू टपकते पसीने री वृदां मे किती सगती है धारी बोसकी री चोळी पर लाग्योडो अन्तर

जूमती जूए/१४

म्हार वैवर्त पमने स धाकभरी भभक स्यू भागजा सी इतरों सो भेद हैं गारै धर म्हारे में यारा टायर घमें तेल बळे म्हारा पाका पग मारत पर्स गुरदरी सहक री रहक काइ नामै यार नार्यं सरोसी मा सदक पार टायरां ने समै स्त्रू' पैली पाड़ नागै पग्त-म्हारी नागी वनवळघां रो उगर वर्द र दिने नै-कोकरा ने मगळ मारग रो गरम गाळ गायै। आव नैदो वाव म्हारे स्त्रु' निश्रशं मिला महार भेर नानी देग पर्गा-उमार्गी महारो मधगानी गरीर यत देग बार स्यं नोषो उत्तर मगमती मोपडो गीत पर्या में गुरदरी घरती स्त्रू ।

मेह र रख दे

चनको प्रार्थिक

डर मत फालां स्यू मत डर वाव-आपां म्हार्च गाडै सार्च सड्क पर ऊमा हो' र एक फोटू खिचावां, म्हारी वरियान रो वारावरी म्हार्च कच्छै रो हवामहल आपणी फोटू में आसी आपणी फोटू बमर होजासी।

0

धरती रा ला'डेसर

ត្ है सी है रोई रो रूप ही में है तोगी गूळाँ हाळी यंबळियी में सारी टांस नीमधी क्षीपद्र गुरुष रोजड़ी राग परती से भीन इस घरती हो जायो जनम्यो पराई पहली पदा' र भार चंरुवियो बरा-बरा मापो बिगरएगे सार्य मानम् नाम विनगरी भरगो है कुदरत रो प्रेम पावश्चिमी मैं बागंगा तपसारी गरत कीती कमरी कीनों सांद घरणी।

बेसको बेर्गा ६०

बा-घराी लाम्बी चोड़ी घरती बी-घराी गैरो जंगल ए-मोने बरसा घोरा फर-फर करती मन भावती ताजी हवा .बी-खुबो बाकास बठं हर मोसम रो मान हर मोसम ने म्हारी मनवारी म्हे घरती रा छाड़ेसर

अठं
हर मोसम रो मान
हर मोसम ने म्हारी मनवाराँ
म्हे घरती रा ठाडेसर
आ-धरती महारो मां
ई रा हरया भरधा खेत
खेतां में काम करता करसा
बार मैनती सरीर स्यू
टफको पसीने रो
मोती वरएग वृदां
बां दू वां स्यू
रिप्ता सरीर स्यू
विकाली परीर

सांची संजी रो चितराम है। इस्मीज घरती मार्थ जुकमीचस्मी रमता सुसिया चोकड़ी मरता हिरस्मिया ऊटारा टोळा

जूमती जूस/१८

गायां भेंस्यांरी गोर तळावरी पाळ पर नाचता मोरिया "तिस्सी हैं-विस्सी हैं" टींटोही री टैर "करसा तूँ -करमा तूँ" तीतर री भारएरी सागै-पासै दिनर्या में टर्राता हेदरिया भारते स्यावती भावजी इसपी सरावए। जीग जूण में स्थान कोटो यंगलों में कगरिएये रू'गौरी जीसी महादीमा । बार गाम होवती कंगम रहाँस्यू रहाती कोनी माली रा मैला हाय क्षा हार्या में कुण्यात कतराही मत? वृगाः रागि सो इंगाने ए-र'ल सापरी सापी गीव दिनगता-दरता बावा में बुत्तराव देश tia mi रमानमां भेटा र्मानम

और पासी देवसिया फव्वारामें मोसमरी सागी मनवार कर्ठ बार्ड वं वार्ता जिनकी साविशियं री लोर में हवारे हिंडोळे होळे-होळे मळकती-पळकती गरजती-गाजती तिरती-फिरती आभै में कालोकाली रस री भरी वादळ्याँ में । मानली लोय मिनखपणों राखणै री कुचेप्टा करिएयां रै धड़ तो हो सकै परा-माथ री ठौड खाली है आरे हाथां री हथेळयां में अर पर्गा री पगयळ्यां में रुगता दीसं घरणा अराता वाळ !

मांयलो ग्रमुओ

भीगी भीगी मुल मुल सरीसै म्लायम मिनमाचारै नै बीट गरीमी भीड भरे संशं में यौग पोट, अक्टोटिया पत्तरी अर वंबळियां रे साम रेगो पहली। किनमें हाळी पादर वर्ष मानगो भावना क भूरहीय'र गुरहीय'र रितराक दिव धानमी बांडरां रे क्वर नारवो है म्लायम बहुको है मानो मो माग ले मी। भारमी से धनुको धारती पा भगोप बरा'र कुटली पारती मोतम मौदनं अपूर्वं से रोग मान करण

कद आही आयो कद आहो आसी। आरक्षी। देखर्ण री धारसी देखसी आंगर्ण रो मूंही मूंतसी आपर आप पर असा निस्तती रो तेहां बर तिड्क्योड़ी आरसी वस्ता वसत रो मूंडे बोलतो इतिहास।

Э

गुंग री घृन्ट

च्यार मेर रे रोलां क' पाटी सवीज, ग्रंकीज'र गुगरो ्भावती अस्पभावती एक/आद चृंट गळै सळै उतार मीनी । गळै तळै उतर तां पाल मु गरी पु ट आपरी आपी दिगावस्थे गरू कर्यो मत में मार्थ में भंवता (कौवळी वयू) भागौ रा भनूळिया फेर्म कटला बन्द होन्या। मूंग रो बगर होतां पाए मिनगर से गाँउसे विद्याल करण स परा कराक गुरा भागी अपही

काया में, उपज्ञा लाग ग्या। गूंग री निलोयोड़ी माटी पर पाँवडा धरता पास मानखें रा चितराम आपी आप उघड़ता जावै काया रै घर्ण माँयले पासै अदीठ गह गुमडां नै भौग-भौग 'र सरीसा कर नाखै। काया में ओपरा अराचाइजता वैगड़ा रोग अवै नहीं पौग रे। अडावै में अगाचाइजती घास अबै नई ऊगै। क डी ओवरी रै घर्गं डरावर्गं अंघारं स्यूं हरपीजतो मन गंग री उजास ले'र सें चन्नरा होसी बारली मुलायाँ ही माँगली याद आवै वारले ने याद राख्याँ मायलो हाय स्पू जासी दोन्याँ में एक ही हाथ आसी।

जूमती जुए/२४

जंग मत¦जाग

पान तो पान धान री धांग ने बक्तमी बक्तमियां आदमगोरा बाळरप क्याएस घेरिया प्रासती-पालती पर्ग में पाल देवे घुरी पात लगावै जीवते जीवां वै भवे हिंगक मो देगतो देगती गुरुरावती ग्रेन्सी शांग्यां स मदरश वश्नो निवंदनी देवे s win ar twin पीपको पंत्रे योशं भे मोर्ट परिश्ती हाई या रेही परांधे। (त्रं इस् वास्त्रे) मृग-द्रम् में करम से विधी

अभिट लोक सान'र लीकलीक चालिएयां रो सागो छोड घ्यान दे वां मिनखमार मक्कारां कानी जिक्का धरम-करम रा भाग-भरम रा कुशल कारीगर है मुख-दुख रो बंदवारो भें करसी न्यारी-स्यारी स्वारय रा सागी वाप आपरै पालै राखमी सख-सविधांवां रा अखुट भंडार परायं पाळे में पाळसी इस-दाळद री वाळदो । मासी मीत रा लाडेसर भूख स्यं बांधंड़ो कदतांई अवै त् पाळा बदल ध्यावस त्याग कंग मत/जाग। П

धरती धकेल

fi दूंगर के होगो प्रश्ती प्रकेल भोत बटो वादमी बाउँ म्हार स्यू' मिलए। री तरकीव म्हारं ताई पूपणे से तरीको गीधी गी है। गाती यां वागर्न पेडी बरावि पैशानिक बलावे पा वागते भार भारत रा पारती बर्ग दारा दभाषिया पेडपो घडना यस पारी पावड़ी में पामित्या सीग षारं गानं होवं यार्न गीमो देग'र उत्तर पहिलों है

ũ बडो आदमी मन्ने ऊंचो मुखं मोटो दीस चश्मो इस्यो जिक में थे दीख सकी बो थाने धार हायां में राखगा है च्यारू मेर पेड़चां लगा'र छातो ताई' पूगणो है कान रै सरोदे ताई ऊंचो आवसो है पएा- थे कीड़ी सा सुर्छाता चीड़ी ज्यू चू चाता भेड वकरियां ज्युं मिमियाता कोमल बाएगे में/कंवळं शब्दा स्यू वात करण री भूल मत करण्यो घणासारा मिल मोकळा रोळा मचावो घणामिल'र मोटी देह धारस करो षणी सारी बावाजा ने मिला'र मोटी आवाज करो पेडचां लगा'र आपरो कद बढ़ाओ

जूभवी जूए/२८

भांप लगा'र आपरी बावाज ने सी गुणी करी दमापिया सार्ग रायो फेंह' भी मन्त्रे हैं यो लागे-बागी मिलगो सोरो वर्ड बहुरी बही चोपाळ पर पाळत्वारी पतार घारी बोली री आपरी या ओपरी भाषा रो पार कह से पार काम नी धारे भातमें दी परग सो सर ही नेसी सर की जीगा हो तो भी षारी गुली अलगुली धाराग रो देवी अधिकार तो धनग-धनम स्यू महारी पानी ठावी है fent. में पासे है भै गरास हो में पाने थे पाने जातो। थे ही स्वाए। बर में हो स्वाएते होर्देशी दाए बस्ट्सी मोनो दारो घर दयाली

गुवाड़ रो जायो

गुवाड़ रो जायो कींने वाप कै'र प्कारसी ऑख्याँ खोलें यडी करें जियां कियां चालगो चावै गुवाड़ ऊंधर घर स्यूं सागी घर तांईं पुगर्ग रा मारग पागडी रे पैचाँ दाई घणा घुमावदार है। मारग में बिड्द बांचिएयां जरुचे जठे लाधे त्रता-फुरत धाद दिलावै आपरी, आपरे बाप रो आपरे जानदान री। पाँव है दो पाँव है रो पेंडो कोसाँ लाम्बो कर नाखै। सौंच नै भूड में बदलतां कितरीक ताळ लाग्रै जलेबी भॉत गळ्याँ रै गुंगे काला वे कृएासी समर्फ धिरै फिरै लाधै सागी ठीड

जुमती जुए/३०

होकड़ा उतार

सोरा मुगी यसल्या शेर षारी मीळी-मोळी गांगां ने मार्ग जाएँ घोळ्योड्रो होयँ फेयड़ो जर गुनाव बळती-बळती जा सूर्वा में थारो मांयलो मोनम ठंढो टीव चानती रैवे ठंडी ठंडी होन जागी पेट में कूलर फिट फरायोड़ो होये । बटोने म्हार पासं पसीने में न्हावती देह इस देही स्यू' भट्टी नै लजावगा हाळी सान लान संपैटी आसै पासै धूंबी घुंबासी। आं सांगां में गरम-गरम भाप तो है पुरुवारा करै। मौयलै पासै खदबदीजती हाँडी

कुरा जारी कद कुरा उघाइदी ईं री दक्ता। करदी लुवा ने चोफाळियाँ आव आपाँ आपराँ मोसम री अदला बदली करा मित्र वसा। म्हार जिसे लोगां रो माँयलो अर वारलो मोसम एक सरीसी हीज होवे गरमी में गरम सरदी में ठंडी यों लोगों से मौबली मोसम बारले मोसम स्यु मैळ कोनो राखे थे इसा वास्तै गरमी में ठड़े अर सरदी में गरम मोसम रा मोताज रैवोला छोड़ दोगलो पराो चेरा मत ओढ । चतार थारा होकड़ा चालएगे है, तो / होता म्हार साउँ ।

चौफेर

चौफेर च्यारू मेर अठीनै बठीनै जठ देखो बठ टॅट टेंट ही टेंट । लोगड़ा टेंटी ज्योड़ा लागै। सुगी है मरकार कोई ब्हाने ओल्है छानै शांरा टेंटवा दवाण लागरी है।

सीख

बात्रों, जापां
बडा बादमी बणां
मैं पारा करहा उताहं
से म्हारा करहा उताहं
मैं. पारा करड़ा उतारं
मैं. पारा करड़ा उतारं पार्न
के बने बाउए विकाल
पे म्हारा कपड़ा उतारं
मन्ते, नोषं उतार द्यो
हरोमव
बापणो देव
नामां रो देव है
एक लगोटो म्हारमा

टिल्लो

कुए। जाएँ। कद कुए। मिनसा जूए नै कंचली टेकरी स्यूं टिह्नो दियो । टिलो लागताई मानयो दही दाई गुड़तो-एड़तो गुलेची गावतो आवती जावै कपर कं नीचली ठीड पए। जिसकी पगां पांए। आपरी हिम्मत रै तांएा मारग रे भाटा ठिडां क भवभेही खाय अहै, लड़ै, अटकै चाल पड़ै सामी सामनी करणने कंचली कंचाई कानी जाय वैठ टेकरी री छाती माथे गीतां नै गूँजाएानै अळगोजा वजाए। नै।

लोकराज्य

लोकराज तुं गाज्यो घणो पण वरस्यो कोनी जद-कद वरसी लाय वरसी बोळा वरस्या रोळा बरस्या अस मिणतो रा बोळा वरस्या । लाम्बै-लाम्बै हाथां में लामबै-लामबै वाँसां पर भांसा छरडा बांध'र ऊंचे ह्यूं ऊंचे किनसे नै अपर को अपर हो किरिएयाँ में उळकारिएयाँ भोलें मोलें बावनिये वचकानिये रै ती तसी हो हाय को आस दीनी बागौ रा फुल फुसका वराग्या काची क्र पळ, अध खिली कळी कोई तरमें पात नै अर कोई तरसे फल नै । n

जुमती जुए/३६

मोसमी क्कड़ा

दोलहो जोभ जेरीली सांस मार्थं में ग्यान री गूमड़ी पैरवां है पोशं पर कमोड़ा मरुंटिया भांस में अएत कास में बुखाएा इसड़े गुएगऊ पड़ीज जड़ीज मिनस री मांदगी री इलाज करिएयां वापां है साथै रस्से वस्से । कदै कदास आसी पासी मोसमी क्रकड़ा वरा दिस रो बोध करावण खातर कुरही माथै गुरहा खोतरतां मेली कुचरतां घए।करीक बार इएगी भांत जूरा पूरी करतां करतां टैम रो नैम भूल'र बांग दे नाखं सूँवीं सिङ्या, आधी रात पो फाटए। री कुएसी वात ।

П

थड़ी करो

जीएाँ रो अरध वळनो बळनो है तो मोमबत्ती यश अगरबत्ती ज्यूँ होमीज ज्या । पए फिड़कले ज्ये अनमोल जीव रा पूरचा मत उडा जीव बलघां जीवती चामड़ी वळघां मुरडांद आसी जी मिचळासी । मूँज बळै परा बंट रै जासी जनम-जात स्वभाव स्यू लार नई छुटै। मिनस जुए। मिली है पग लेवो अर पा पा चालगो सीखो गोदी कं उतरो, थड़ी करो लीगा रा कांघा मत तको। पराई ऑगळी पकड'र जुमती जुए/ ३८

िक्तीक दूर चालएो चायो श्रांगळी र सरीदं चालिएयाँ दिसा भटकसी । धोरौं री भूळ नरम पसरे, धिसकं धिसकतो धिसकती मार्थ ने आजावे सी ।

भ्रो कुरा।

ओ कुएा? थादमी है। बादमी- !- ? बादमी नई' मिनख है। मिनस् नई आदमी है। नई " ओ कवि है। ढुँढ़ो अठै तो लाघै वठै। देखें अठ तो सोचे वठ घएं लख्णा रो लाडो है। सूएभे है ई नै आगली पाछली सगळी दीसै । लारलै जनम ऊँ लेर आगलै जनम ताई रो हिसाब किताब जाएँ ओ परख पारखी लोगां नै कपड़ा में नागा नागांनै कपड़ां में देख लं ओ पताळ फोड़ कूवां री जूमती जूए/४०

पताळ रो पतो छगा ले वो आनासां उद्दे इगारै आगं सिकरा सरमावै किरत्यां कीतंन करण लाग जावं सुरज स्यूं सोनो उगळावै चान्द स्यूं चांदी वरसावं ओ तावडे द्वियां रो पारखी में आंधी रो गाँधी तुफाना ने तो सणियो मीठो सारी बोलिंगयो आगे चाले पैल्यो बोले पांगळी दुनियां रा पग बांघी दनियां री बांस गुंगी दुनियां री वासी को सुंदर भावां रो उपजाणियो घरती नै सूरग वलालियो हिम्मत री खैंस सगळां रो सैएा परा ""धरा करीक बार पत्तकड़ में कड़ै पत्ती ज्यू साय हवारा थपेडा कद गळी क चळा में तो कदं रोई रूखडां में चळतो फिरै दव घरती तळे जुरा पूरो करै इएरी मांस तो धाकाहारी ही खावे इरारो कंकाळ काळ में डोका चरतो किरै।

न्नापैरी न्रपसास

लालां वरसां रे लाम्बे समव रो लाम्बी तांत पर पिनीज'र समै रे जूने नुवें चरधे कतीज'र मुनड़ी अटेरएं। चढ़ी वर डोरो वसी। स्यासा । सुअवा सुकडियाँ ने सुळकाएरी चेप्टा में उळकाता चल्या गया। क्तकहिया, इस्या उळह्या कै सिरो छुट ग्यो सीचड़ी इसी पकी कं गिठला पड्ग्या इकाई रो सिरी घुटग्यो सिरे स्यूं सिरी रूस ग्यो याज ठौड़ ठौड़ सिर उठायोड़ा सिराही सिरा है ओं अरवां सिर्गपर अपरी अप्णास विसरीज गी समें रो गोट जुमती जूस/ ४२



वा । पैलही जोही वै । लोग लुगाई समें री चाकी में दळीजता विसीजवा लूं है हाथां चूरमे ज्यू चुरीजता जलमताः, मरता पोदी बागली पोदी कं

महै ये ये महे हो ग्या। तीन अरव साठ किरोड़ सत्तर लाख चौरासी हजार च्यार सो बीसरी लाम्बी कतार अर इस कतार रै परले पार सिरे पर ऊभा लोग दीमें कोनी

जुडतां याज

घरों घरों बरसी स्यू यरसती जमती घळ धूळरी जमती पड़तां में दबीजतो आपै रो अपसास घं घळातो जावं । आव सिरं रे ई किनारे स्य सिरे रे भी किनारे ताई चाली गोर्भा बतलावां

मन माथो काम में ल्यावां अरवां रो गांकडो छोड'र किरोड़ां री पंगत में आवां करोडा स्यं लाखां में लाखां स्यूं हजारां में हजारो स्यू सैंकड़ौं में जूमती जूरा/४४



त्रजै जू*भ*रगो पड़सी

थारी सगती रो तोड म्हारं सोचएं विचारएं में सदा स्यू पांगरतो रयो है। यारी असलियत नै नागी कर'द नुक्कड़ पर नाख 'र तन्नै हांडी हत्ती करणी ही म्हारो करम अद घरम । यारा सोतै रा संप्रहोटिया यारी चांदी री चमचेड़ां अर थारै घापरै धक्का ऊं म्हारी जुभती जुए। सदा स्यूँ लडती आई है लड़ती रैसी। गाद है नीं...-भ्है कमाया करता अर ये खाया करता माना रिया-खाता रिया गुर-रावता रिया थारी गुर-रावणी तीरी चढ़ावणी थारी अकारण रूस ज्यावणी म्हारी मीत रो फरमान होया करतो ये मारत रिया, म्हे मरता रिया

जुमती जुए/४६



मुट्टी भर धान स्मूं नई विलमें मिनखपर्श रो पोरेदार म्हारो ओ टिङ्की दळ बाज नई तो काल पारो बेत खासी, आपरो हक जतासी मिनख-मिनख में भेद मिटावण बजें क्रांति आसी ।





त्रं तो सङ्कां माथे सूर्वं धन्नो गायां घर में दूवे पल-गल माया कानी लूवे दूंटी रळगो म्हारं क्ववे म्हारा लाडला ।

धीरज-घग्ती रो जर वुर्फ इस्तरों काया व्याज अपूर्ण सीयाँ मरतो डोकर धूर्ण अस्तियाँ होवें तो की सूर्फ म्हारा लाडता।



कानरो है- कातरो- रे
ध्यान राख धात रो
फाड़ देवें दूप ओ तो
आदमी री जात रो
थोड़ो घएगो मोल करे
सामले री लात रो
याजरी रा सिट्टा कोनी
सांप सां रा फएग है। सुनै-सुनै.....

पोळी-पोळी वार्ता विच्चं
काळा - काळा विच है।
काळचे री ठौड़ आंरे
खादू हाळो सिल है।
सेगं हाली घरती माथै
पांपर्ला रा विच है।
कोड़ो ने तो करा कोनी
हायोड़ों ने मरा है।
कामधेनु कोनी ईरा
खाली - साली थरा है। सूनै-मुनै.....

भरूं टिया

आदमा रे आदमी ऋहंटिया भरे। चुंट तेवै चामड़ी चहंटिया मर्रे ॥ वींच तेने खालड़ी नर्संदेश चरे। म्हारै म्हारा बादनी कई दिया चरै ॥ स्मांन्ड्रो नानको हो नहनी नहीं। द्याची-काची बूंच्यां ने उनती दरें ॥ करु है भू भारसे अवस्ते करें। बानरो उद्धात बहुँ सहिया बहुँ 😃 कारी देव कार बहुँ कीवड़ा उर्दे ह प्रकार रे हेर रामे जान वर्ष वर्ग ७ होंचे चांचा दान जिली बात की सरी । बर्च गर्व इंबर्ज में कृत्या करें।। के हुने के किया होता है। पने में उसला किसी चेंड़ ती हुई ता युक्त रही आसी अहै। नेम ने कोने रहें चुटिया हरें अ रबरें हैं हुए द्वारों रेक़ की नरी। की गहाब है। तह रे तरे अ रामक्षेत्र राज्य सुद्ध कुन के बई । मेर्ने रामां असते हे बुद्धता हती अ गला र गमा नहीं किया नहीं म

ताम भाम सा

तामकामता - तामकामता ।
सांची-सांची कंवां जद नागं डाम सा ॥
गिरतां-पड़तां आखड़तां री
डुनियां किसी न्यारी है
पायोड़ा नै पिगार्ण ही
पुरसए। री वृद्धं धारी है।
ऊंची हेली रैविए।यां रा ऊंचा दाम सा
तामझामसा

तामझामसा

निनखाचारों लोरों - लोरो

कुएसों ईनें सीम सी
समी रौडां रोतों रैसी
पावसां तो जीम सी
ताळ्यां रा तमासा देखी विना दाम सा

तामजामधा
माणसिया गटकार्व
टावर गळियां में गरळावे है
परजा तंतर आछो मंतर
लांठोड़ा फरळावे है
मिनखां ने मराविणियां में धारी नाम सा
तामफामसा

फुट पायां रा फोड़ा,देखों गांघी जी रैं देस में सुख रा सपनां देख्यां राखों भरोसां रैं भेस में मंगतां री कत्तारां लाधे सरैं थाम सा तामफ्रामसाः ।

शोसर चुनगं गाविए। याँ तो ऊंदा-सूँदा गावैला मोको दियां डाकोड्राँ ने डांगर ज्यूं गटकावैला जूटो खोसो खावो किसी रोक घाम सा तामझामसा ।

सूनै-सूने चेरा मापं
कना-कना आवर है
माटो मूँडै बोलएा लागी
सामी छाती टाकर है
बत्तीसी दिखाविएयाँ में कहें राम सा

म्हारा नेता भूठा झाँसा देखो आंदो काम है पापी-पंखा-जीवन लेखा लेखें में बदनाम है लोगों ने बखाखो आंदो पैलो काम सा तामझामसा। आया जिनका अम्मर कोनी जाम्या जिनका जानेला आकासाँ में उडिएएयाँ तो घरती माथे आवेला ऑसुड़ा इळकावे देखो सुढ्खी राम सा

पर पोस्पाँ रा वळतो पण के अंदरिया मुख पावैला श्रौ लखणाँ रा लाडा वातू गट्टा गोळी खावेला चमचा चमची जरती औरा चवका जाम सा तामकामसा।

बैठी बैठी बोली यूं

एक कमेड़ी टूटी मेड़ी वैठी आळे विचयां नेड़ी वैठी देठी वोली मूं मनरी चादर मैली क्यों ? वासी वातौं री फुलवारी आक बवूळा क्यारी क्यारी साभी पीड़ा थारी म्हारी

> चुवसीं कांटा । वोवे नयूं होसी पोड़ा । रोवे नयूं

छान भूंपड़ी रो रुखवाळी काळ वैठ ग्यो डाळी डाळी लाड लडाया मौत रुखाळी

> आ-अए होएी होवे क्यूं। लोरी देतौं रोवे क्यूं।

सूर्न पण्री सांस सुणी जै लागी फांस रो दरद गुणी जै भळं उद्यड़जा सदा बुणी जै

राख री रोटी पोवै क्यूं जग जागे तुं सोवै क्यूं

हम्मै कैवो किर किर गाई

गाय व्याई वान्छो त्याई चोळे रग रो आच्छो त्याई दूध मळाई जीमो भाई चीर पकाई समळां खाई समळां खा'र सराई भाई हम्मे फंबो किर किर आई राम दहाई। राम दहाई।

भाजारो रो आंघी आई काळो पोळो मोसम लाई दुखडो दूर भगावण आई जीवण सार बतावण आई मिट गरीबी सुण त्यो भाई चेती भूख घणी रे भाई इम्में कैवी किर किर आई १ राम दुहाई। राम दुहाई॥

नावण लाग्या लोग लुगाई भाई ला'र भतीजां खाई ठंडे ठार नतीजां खाई म्हारे हाथ कदे नई आई कुमतो कुण/६० चमचा चमची सगळां साई रोवें दूजा लोग लुगाई आफ़्त आगी विना बुलाई हमें केवी किर किर आई। राम दृहाई। साम दृहाई॥

मिनला जुल सरल में आवें
वीरो वेड़ो पार सपावें
करें जूरमा लोर पकावें
घर वेठ्या वे मोज मनावें
लाक में आम घला उपजावें
विना बादळों में बरसावें
क्ट्रें कांसा पेट भरावें
मिटे भूख भूखों मिट जावें
घाया धारी छाछ राबड़ी
कुत्तों लार छुड़ा म्हारी माई।
राम हुहाई। राम हुहाई।।

सुल सुल्यो

Ĭ

मुळ मुळियो पड्ग्यो म्हारा वापू घरके मुठ्ठो धान में मिनखज्रमा जद घास चरेली रेत रळेली मान में ॥ हलगी नोवां थारै घर रो योय वापरी ठोड़ा ठोड़ पड़े कांगरा घरती माथै काची कुंपळ तोड मरोड अए। चाइजती घास ऊगसी घुशियो लाग्यो घान में ।। घान धिए।पो पड़ग्यो पासै धींगा मस्ती छाई है। मिनस मिनस रो वैरी बणायो वाछी वाफत वाई है। मिनस मीत री बाट सकै जट माटी पड़सी मान में ॥ ज्य सतरंगी शतरंत्र माथै म्हे विद्यिपोड़ा मोरा हाँ नाल चालएी कोनी आवं पएग मना में दोश हो

६२/जुमको उठ

पंदल मात अताड़ी हाथां
रेत रळंनी स्वान में ॥
फिरं टसकता भूखां मरता
माटी हाळा जीवरे
जोवन विकती फिरं बजारां
मिनख पर्एं री सींव रे .
"लाजां" लाज मरं जिरण घरती
माटी पड़सो मान में ॥

बाए खेत नै खावै है

महे आंख्यां देखी लोगो रे आ बाड खेत ने खावें है काचरियां कंवळा कंवळा ते टोंडसडी अर फोफळियाँ ने ॥ अस छोल्या हो गट कावै है। आदित काळ नै त्यावे है ॥ तिल तार करै कोनी अठडै वैलां में कक पड़ी बठठं कावरिया किचर किचर मर ग्या सिद्धौं रो नाड कटे अठउं आ-मोठ बाजरो फलियाँ नै चुगयोड़ा भावे अळियां ने आ-सगळा ने गटकावे है बा-नूंत काळ ने स्यावे है।। ए मोटं मार्थं रा मतीर मोट नैएां में भर्या नीय कंवळे गातां में मूळ मूळ घिरकार जनम से घुळ घुळ छोटै मोटै रो आए। कठै टके घड़ी से विके अठै

जमदी जगाधि

आ-सगलां ने गट कावे है आ-तूंत काल ने ल्यावे है ॥

ए डर्या बापड़ा तूं तड़िया चींचाट करो बर आपड़िया डोकांरो डोळ डांखळां रो उड आय वाड़में जा पड़िया था—सेतां सेत डकारे है आ—जीव जलमता मारे हैं बा—सूतां ने मटकाव है जा—नूत काळ ने ल्याव हैं महे आंख्या देखी लोगो रे था—बाड़ सेत ने खाव हैं।

मन्तस उठ बोल्यो

पागल, नीच, दुष्ट अर पापी म्यूं दिन घोळे कर लेवं घाड़ो ? माणस रो अन्तस उठ बोल्यो--इए। काया रो भोजन भाडो। मिनखां री टोळी री टोळी आज फिरै वा बळवाती बिना तार तम्ब्र री हालत ना छुपी रैवै साधी सुख रो सपनो जीवन में देखरा रो कर घरणी आसा जीवन-रूपो चोपड उलटी उलट गया सनळा पासा मात-पिता नयूं सोस भुका दे-टावरिया जद कर लेवे आहो माणस रो अन्तस उठ वोल्यो इए काया रो भीजन भाडो। जद-खेत पर्क दुख-दाखा रा मिनखां री स्थान गमावरा ने पग पड़े पाँगळा घरती पर

जूमती जुए। ६६

पुरक्षं री लाज बचायरा ने ऑंक्यों स्यूं ढ़ळता ऑसूड़ा क्यूं मन में आग लगा जावें वर्ण प्रणी भीख री रोटी रो माणस क्यूं दाग लगा जावें खावण में दाखां घरणी भली पण माणस दिन पर दिन माड़ो।

पागल, नीच, दुष्ट अर पापी वयूं दिन घोळं कर लेवें घाड़ी माएत रो अन्तस उठ बोल्यो इए। काया रो भोजय भाड़ी।

4

सप्पमपाट

आरे म्हारा वेली सप्पम-पाट में तन्ने चार्ट तूं मन्ते चाट दी दिन री में जोऊं वाट दिन उगसी बीतैलो रात छपने सिरसो समय बितावां ठाठ-वाट रा ढोंग रचावां गुरा आजादी रा लुळ-लुळ विना तेल महे दियो जगावां अधियारे ने मार भगावां म्हे म्हारै दिवले री जीत जगावां हीं दिन री मैं ओऊ बाट तेल ना वाती थारी हाट। आजादी रा आक चवावां सारं ने मोठो कर खावां छाज चालएगे नां रळकावां अए चुनियो अळियो ही खावां कादा. कासी भाज'र जावां कदरी ऊभी जोऊं वाट कद फुटैली यारी माट वीं दिन री मैं जोऊ बाट।

जुमती जुए/६८

इस जीवन में सूल-दूख बांटा एक में फुलड़ा दुजे कांटा सूख सावए। रा कदै ना छांटा पग-पग कांटा, घर-घर फांटा वेल तरसगी सरवर घाट । सुए। म्हारा वेली सप्पम-पाट ॥ पोड़ा पळी सुखां र लारे सुख पळसी पोड़ा रै पाए। मन मत सार मरेलो जीवन जावेली अब थारी कारा कठे आजदी- कद वा लाघी छोड पुराणी वाण कुवाण वात दूकगी हाणी-हाण वीं दिन री में ओऊ वाट । दिन उग्रसी बीतैली रात

बीज बाँभाड़ो

नित/मरै/अठै/जलमे कोनी रे-बीज बांमड़ी रेवेलो ओ-पीड़ अणती देवैली॥ इस भीड़ भरी घरती माथै माथै स्यूं माथा भिड्योड़ा ए छोटोड़ा ए मोटोड़ा सगळा रा सगळा अड्योड्रा लागे ज्यूं माही मेळे में नागौरी वैल भिड़कयोड़ा ॥ कुए। जाएं। किन्ने आवे है जद देखो आवे जावे है दै सींग घरा पर दे मारे जै पोनोड़ो कन्नै आवै ॥ घणा घूमता दी से परा तोल्यां स्यू हळका पड़ जासी वातां पर वातां मारिएयां बोल्यां स्यूं पतळा पड़ जासी ए-मिनल रूप ने लाजिएाया अ।पं स्यूं आगे भाजिएया ए-बम-बारूद वसाविसाया ए-चंद्र लोक में बाविएाया कद—ाशु पर्एं स्यू' लाजैला कद-मिनख रूप में साजैता ॥

म्राजादी

कुण पाने मिनख बतावें लो । कुण पाने लाड लडावें लो ॥

थे गिरता पड़ता आखड़ता निठ नैड़े सी आ लाग्या हो। "क्षात्यो पीत्यो मोज करो"

नै लेकर थे वृत्रू भाग्या हो।।

पमुत्रां रो आहो पशुपराों कद पशुपराँ ने लाजे हैं। मिनस, मिनस रो छोड मिनस, तो मिनसपराँ स्पूँभाजे है।।

हो पीरजरा थे घरणी परणा परण पारे दुख ने क्रूरण हरें। अड़ो, लड़ो जुमो दुख स्पू कुरण कायर पारो नाम घरे।।

मूरज रो तेब पड़े फीको बायर यो सोग मनावै तो । आस मोच लें बाँच जठें तो हायं-हाय ने सावै सो ॥ प्रमास पुरुषी दिन घोळे घाड़ मानवी री धन - मान जूटएँ में जागी।

सै-फाळ चूकग्या दोसै है म्हे देखरया भागा भागी॥

मत घोळ फूलिया बर्गो घर्णा घोळ पर दाग घर्णो आर्वे। कद मेल कटे मन मेलांरो

सावण में भाग घणो आवै ॥

कुरवातो रो बितदानां रो फुरए मोल चुकाएो चार्व है। आमो है घिरतो बायर यो वामो, तो चमसो' जार्व है।।

> बाळक सो कोळ टावर सी आजाद देस री आजादो आ सोरीसी कोनी ल्हाघी॥

दुख री लामी दूरा

फळसं कभी हुए यचाओ म्हारा बीरा रै दुस री लागी दूरा वचाओ म्हारा बीरा रे सुधरे क्रीयां जुए। बताओं म्हारा वीरा रे॥ घरम करम री पोय्यां बांचत बीत गया जुग चार मैनत नै मुळहातां देखी इए। रारंग हजार धे समै सारू भूए घुमाञी म्हारा बीरा रे सायोड़ां रा सूरण मनावो म्हारा बीरा रे ॥ भूपड्स्यां री रात वीतसी पूरव होती ताल देन पर्धोनों दाळद दीई बाज नई तो काल पारं पर री बदळे रूप- कमाओ न्हारा वीरा रे

सुघरं थांरी जूण- कमाओ म्हारा वीरा रे॥

कुचमादी काचिस्यै गुए रा
गुए हीएा नव - नार
लट-कातर सो करएी हाळा
जीवेला दिन चार
बाँरी वेगी आवे हूए- वताओ
म्हारा वीरा रे
रोक्ठं अठ्ठं कूए- वताओ

मिनख मिनख री वातौ न्यारी
एक मिनख रो मोल
प्यार प्रेम स्यूं बोलिएियां नं
लेवां होशं तोल
यारं मुख रो लागे दूए— बताओ
म्हारा बीदा रे
सुधरे थांरी जूए— कमाओ
म्हारा बीरा रे ॥

घमले रा फूल

बो-पमले रा फूल' फूल' तूं मत कर इतरी भूल आज ने आज सिवर जै-रे थघोरा घोरज घर जै⊸रे ॥ मे आंगो रा नाय वर्षड़ा ल्वा लाय तपी देही भंवर' भतूळा फिरै भटकता मान हाल ना तज देई न बोग से सोदो कर जै-रे तुं निपळो स्युंमत डर जै-रे॥ चार वो फैरो घणा रूंखड़ा मुण'कुण सार करे वांरी पार्यो पोस पळां सदियोगा जगती बात करे बांरी तुं पळ दे यात विसर जै-रे मुं काळी रात विसर चै-रे ॥ पल दो पल रो जुए। जेवड़ो प्रशामिणती रा बांटा है फ़्त फ़ल रें आवे पासे

छोटा मोटा कांटा है त्र अमर रा आखर भए जै-रे तूं कांटां स्यूंना डर जै-रे बरगद हाळी छांव सरपणी काची क्रंपळ ने डसले इसे रूंखड़ां रो रूंगस ने खेल खेल में तूं लख ले त्रं आंरो साथ विसर जै-रे तूं वण वण लाय पसर वै-रे ॥ मां घरती रा सुमन लाडला जोगो जाग जुगत कर लै सांप सळीटा अजगर ढ़ीठा पकड़ मूंड की वस कस लै तूं बिसरा गुटका पी जै-रे-आ-काया आप रसी जै-रे ओ यम लैराफुल'फुल तूं मतकर इतरी भूल आज में आज सिवर जै-रे अधीरा धीरज घर जै-रे॥

सांवर्येरी सारंगी

मांवरवेरी मारगी तुं सत् रंगी तुं बदरंगी करें तो वाजे पांव पेंजगी कठे तुं लाये अप नंगी ॥ सुर साध्यां सुध सपै साध्यी मुख रो सावण सरसे सो मिनस मानसे मोती निपजे रिमिक्तम मेहली बरसे लो रूत्यां राज निलंला कोनी मिनस जुए री है तंबी-सांवरवेरी सारंगी पा-पा-पगल्यो घर कुँचां मुळकाय बैठगी महलां में ले गुरु बनुरु बलाप लिया मल्हारां गातो ताना में कठे विसयते आंगलिये पप बसी छवीनी छाना में बर्द तो रोटी राग शेवती राग दूट गी ताना में। रठे तूं बोई साल दुवाला कड़े नान्तापे इक्-अंग्री-सांबरपेरी सारंगी ॥ हा

रब राखें सो रैसो राम

रव राखें सो रेसी राम चिड़ो चिड़ी जद चुंच खोलसी मन गांली तो कैसी राम रव राखें सो रैसी राम ।। सुखे तरवर एक डाळ पर सरवर मुखे मुनी पाळ पर विलखै विचया ध्यान काळ पर खैवए। हारो बेसी राम ॥ पापी पल रै पाप कार सी मदियां मोग ग्रहावैली रे जूए। अकारय जावे ली ? म्हारै गीत री गीता गंजी मैं केस्यूं से सुए। सी राम।। मानव मन इतिहास परख आ-वात हाय स्यूं जवेली रे चिड़ी वान नै खानै लो म्हारे गीत-गंज रे साथे में केस्यूं से सुएासी राम ॥ याद बिसर ग्यो एक वटो ही

वापर चेत री डांडो सोई
पुरसी पाळी सा ग्यो कोई
में केस्यू कुएा सें'सो राम ॥
मन में गैरी एक ठौर पर
एक मोरियो नार्च डोर पर
आसर मन्ड ग्या ठौर ठौर पर
वोन्देसोन्य लेसी राम ॥

जोख्युं लख मनेक

जीव-जीव तो एक जीव ने जोल्यूं लख अनेक जीव तन्ने जीएोा पड़सो रे काया थारी लीर - लीर तन्ने सीएोा पडसी रे॥

जंडी आंच तपी काया ने सूंगी हाट विकासो है इजरी विखरी इस बसती रो कुससी ठीड़ ठिकासो है कुस आंके तो मीत तोल यारो हीसो पड़सी रे॥

तुम्बा-बेल फळी घरती पर बार घोळ दो बेतां में थोर धरपदी पग डांडो पर भरम छुळे तो हेतां में और हवा में जैर घोळ तम्में पीएो पड़सी रे॥ हीणो हाण जलम दुिखयारो घास वर्ण अर तीय चरै जीलो जिल्हें हाथ नई बस जलम एक सी वार मरे गंकर अर मुकरात बण्यां विप पीलो पड़सी रे जीव तन्ते जीलो पड़सी रे 11

नूवां ऋरथ

थींस देस यराजारा ताकडी इतरी राखें कारण जीभ री उतरी-उतरी पाण मिनख रै पेट पळे कुबाए। हियड़े पनप हेत मिनल मन जोयो कोनो रे मनरो गरव गुमान मानखा घोषो कोनो रे भान तम्नं होयो कोनी रे ॥

बोले बोल अजाएा ज्ञान राट्कड़ा जोड़ मती जुनी जारा विद्यारा दरद रो धीरज तोड मती भाग, भरम, भगवान

प्राखी थांरी बाख कुबाख विगडग्यो विरमा जो रो घाएा

भान तन्ने होयो कोनी रे

मिनखपर्ण रो बीज घरा पर बोबो कोनी रे ॥ बोदी जूए जुगां भुगत्योड़ी वासो वोल विसरणा है ना घरती रो बोज वांभडो नुवां अरथ निसरएा है

हाट हिंदै रो स्रोल अंग्युतो विषदावां मत तोल दरद ने दे संजोरा बील मिनस-मन घोयो कोनी रे हिंदढे पनपे हेत मिनश्र-मन जोयो कोनी रे

आं रूंबो पर पांच पंदेरु
फुरळावे ना गुरळावे
भोतर नार भरोतां दीनी
चिरळावे ना गरळावे
मिनल नास दे हास्स लोप में फुससी चूँके प्रास्त

स्यान तन्नै हीयो कोनो रे हियडे पनपे हेत पिनस-मन जोयो कोनी रे ॥

E

जीमो बेटा रात ग्रंधारी

मार्म रै व्या में मां पुरसारी दोन्यूं हाथा में पंचधारो पुरस्सा हारी माऊ थारी जीमो बेटा रात अंधारी ॥

रात अधारी काळी - काळी थेही मालिक थे ही माळी छांगी डाळा तोड़ी डाळी सुतो दोसै बाग रो माळी

पर चूनो कुए करें रखाळो चुगल्यो फुलड़ा तोड़ो डाळो सगळा साळा सगळी साळो कुएासो देवे यांने गानो

> दे दे सीख सदा में हारी जीमो बेटा रात अंघारी ।।

< ¥/त्रुऋवी जूख

लारं हाळी बात विकासे सूंबो माया समळी थारी फुए बाएं कद बावं बारो फाड़ो, पूंछो फेर बुवारो हम्मं जोमो थारो बारो पाळी पुरस दो न्यारी-न्यारो

> दे दे सीख सदा मैं हारी जोमो बेटा रात अंधारी ॥

मन रो मान सरोवर

मन रै मान सरीवर मांही वैठ्यो हंसी पांख पसाय मोती चुगस्यां इमस्त पो स्यां इस आसा नै मन में धार ।। विगत विसारी अवरी सारी वात च्यान ले आयो वार नाव न्याय री दृइए। लागी मिनस जुरा स्यू लोप्यो प्याद छोटी छोटो मच्छस्यां लारं मोटा मोटा मारासमार थरं बचात्वो अरं वचात्यो षारो म्हारो भेद विसार नाव इवियां से इबांला इवां ला महै काळी घार सब सबं कद घरा घिराणी इस री माया अपरम पार ॥

मन-मङ्हो

विखा निस्त्रं को कार्र वैसं दूसी दूसन हर क्छ-बन्ध कड़ के हंजर समें मद नहीं होता कर गर थ सन रहनों है कर स्क्रेंट के हम देवें होत हरत से हद दिल्ला है पराहः व्य दे बाई-दे मन गरला वै उन क्रम्स है केंन्स्टर्न स्टेन्स बाई बाई बाडीनी न एवं एवं इक कं संबंधित है होते करेनी केंग्रें देन्ते कुछ दे पत रामा है हम सम्बाद्ध किन्तिसे सई दूरन भेरं होते सम्बद्धिये रें करोंका के लिए 💉 बिने हेन्ड में होर्च नार्ष

भोर सरीयो एक तलाम मन गरणा वै तन सरणा वै सीस समीरो गावै लूर॥ अष मुंदियोड़ा नैगा-नैण

अंध-वेरी है या सेख ु सेन स्पूरंगन विलमावै-रे हेत रा हाय रचा वे-रे

हेत रा हाय

मन गरणा व तन सरणाव

सांस समीरो गार्व जुर

तिरयां मिरयां भरो तळाई

लेरां पूरो दूरम दूर

पळ में कण कण होवण सागी

मद मातो जोवन भरपूर ॥

काम सी

पग में पेजिलियां-छलकाती भीगा प्वदियं-मूळकाती पळका बीजळ सा-वरसाती गजवण हिनड़े नै-हर खाती आवै-कामणी-कामणी- ॥ सुरमो नैएा में रमातो चुडलो चांदी सो चमकाती लालां पळके सामी छाती हिवड़े दूरों जोत जगाती आवे-कामसी-कामसी-॥ मोती नथ सो रो बतळातां सूबी बैठ्यो कंबळे पातां भूमर भीएां भवका गारी मुळकं दाइम बीज पसारं आवं-कामणी-कामणी ॥ नैएग इमरतियो वरसाती सांसां सौरभियो विवराती मार्थ चन्दो सो चमकाती वैशी सरपश सी वळखाती वावे-कामगी-कामगी

मार्थं चूंदड़ली सतरंगी
मीठी बामिलयां वस अंगी
बाग्रं जगती सा बदरंगी
चून्दड़ मार्थं रंग विरंगी
आवं कामग्री - कामग्री ॥

लालां - गालां गीत पसारै किएानं छोडे किएानं मारं नयली विदली बात विचारे जुलमी जोवन किएानं धारे आवे कामण - कामणी 11

घीमा - घीमा पगल्या घरती गैणा - वैणा छेना करती कूँ कूँ पगल्यां सूं बिखराती करती चाले घरती राती आवै कामणी - कामणी ।।

सीळो - सीळो पुरवा चालै मत ना छेड़ो पल-पल पालै रूस्या साथीड़ा मनालै पूनर पालै चंग वजाले।। आवै कामण - कामणी।।

अरुर्ठे गौरां घूमर घाले, ईसर आगे लारे चाले । अनि कुए। वरजे कुए। पाले तिरछं नेए।। नृतो घाले

वार्व कामणी - कामणी ॥

हूक री कूक

नेशा रो नीर दळघो दळती में पसर गयो पलको पासै कुशा वींने चूफे मनड़े माली नेशा रूठियां जग हांसे ॥

िम्मलिमल-मिलमिल पळके पतकां हुळके मोतो रो सिखागर आस पडोसी भीजए लाग्या हुक री क्षक वडी पिपनार कुछ थारी गागर ठेस लगाई कुछ थाने पूछेलो पुचकार किछाविद नोर हळचो इळतो में विसार गयो पलकां पासे......

प्रीत पावणी हियं हिलोशं पींगां भर-भर हैत रचे मेंदी सिरसा लाल मान्डणा कोरं मन में रचं वसें जद-कद पिघळं मन रो मोती नेणा नोर वर्ण विखरे इणांबद नोर इळ्यो इळती में विखर गयो पलकां पासं..... खड़ों खप उतर नेशा में
नेह-री नींव उत्था लीकी
मेठी सांस सुवास वसी वीं
हिवड़े हाट सजा लीकी
कुण म्हारे हिवड़े री हाट उजाड़ो
कुश वी में लाय लगा दोनी
इशाबिद नीर दळ्यो दळती में
पसर गयो पलका पासै
कुश वीं ने वुक्त मनड़े माली
नेशा हठयां जग होंसे ॥

कसुम्बा

उडजा' क्सूम्बा काळा काग संवाहं थारी पौखडली में तो जोऊं रे जुलमीडा धारी बाट वैरागरा वासी जोय रई ॥ भूरभुर रोवं नार सांवळी पिवजी नै दोजै वताय विना घणी रै घण है सूनी सैजी नाई' सुवाय भावै नई' म्हानै नींदड़ली रे॥ दौड़ कसुम्बा सुणा संदेसो पिवजी रै आवण सी कद आवैला कद ल्यावैला म्हारी पायलडी आवै नई' म्हानै नींदड़ली रे॥ तीज सुहाणीं आई रे साजना रत आई फळ होय विना सार चम्पै री डाळी किणविद ताजी होय देवे रै ताना साधडली रै।।

कांग उडाया सुगन मनाया काज सर्यो नई राज लाड-जडाविषयाँ घर आवी रस भीजूं सारी रात घारी मीठी लागे वातड़लो रे उड़जा कसुम्बा काळा काग संवाह्ं बारी पाँसडुली ॥

सौरठा

आळस पर असवार काळ कोसां पुगराो कायर हाथ कटार पाणी लाजे सादिया ॥ मोया मिले हजार भाषा मिलसी भालियां विकसो हाट वजार कोडी सट्टे सादिया ॥ मुँदै अपर मुँछ मरदानी वातां करे लारे बोछी पंछ बलव बर्छरी सादिया ।) सतज्ञ री है देख जीवन जळ रो पीवणो लूं है घर री सैएा

मांदा पड़सी लोग श्रीसद घर में होवता श्रीवन जळ रो भोग ! रोग ! रैवें नईं सादिया ॥

घरा। अरोगे सादिया ॥

वीजो वात विचार वेतां पनप्यो कातरो जीवन जळ री घार वेगो रळसी रेत में ॥

भाग्यां छूटै लार बिन भाग्यां पूर्ग नई मोड़ो करसी मार पूर्यां सरसी सादिया ॥

भाग्या तत्ता तोड़ चाल्या कोनी एक उग अरणिएएती रा मोड़ इरा जीवन में सादिया ।

थएजाएरी सी ठीड

चालां अळगा आंतरा वसती होगी खोड़ मिनख मिलेनी सादिया 11

मत कर जाग पिछाग इग स्यूं पीड़ा ऊपजे जागोकर अगुजाग सोरी कटसी सादिया ॥

आम्ये हाळी ठौड़ ऊग्या स्यूं अकडोडिया बसती होगी सोड़ अड़वा होग्या आदमी ॥

पूभती जूए/ह६

क्वे धममी भूए मोसम लेसी माजनो सांभर में सी लूए पाएगी चाहमी टा पड़ै !!

कोमत करसो क्रए अवगुएा सामा आवियाँ गुएा होएते सी जूएा दीवळ खायै ठूंठ री ॥

अग्राचायजतो जीव क्यूं जलमें क्यूं पांगरं दुख दाळद ने पीव पोचो पडसो जीवड़ा ॥

ज्ञानी सुएासी सीत साजन सुएासी सीरठा हिनड़े पनपै प्रीत वैरी पढसी मरसिया ॥

चम्बेड़ौ रो राज नाक वचाणी आपरी कठ्ठे जावौ भाज जल्लु ताक्रे ऊंदरा ॥

मुक्तक

घड रो मोल सोस विन कोनी सीस विना घड़ घुळ समान प्रोत विना सा - दुनियां सूनी मीत विना जग सूळ समान ॥

घड़ां मोक्ळों मिलसी
न्यारा माया मोल मिलं है

मिनस टकं रा च्यार
अठे तो भुकत तोल मिले है।

करण रो रिसतो समपूरण स्यूं समपूरण रो करण स्यूं है। मरण रो रिसतो एक सेर स्यूं एक सेर रो मरण स्यूं है।

सामो गोघो गळी साँकड़ी लारे मुड़ियाँ मान घटे पकड़ सींगड़ा द्यो फटकारो पाछ प्गतियाँ चाल पड़े ॥ तन रो पूर पातळो पड़ियाँ कठं लागसी कारी रं मीठं मूंडे खारा गुटका मन में तेज कटारी रे॥

बरे सुरड़ो सेर जलमसो मकड़ो त्यासी भेली बाळू ने भी पींच - पींच कर तेल काढ़सी तेली ॥

न् थोर

भरोसी भाज्यां मिनख री जुए। लाजे । देखतां भाळतां मानलो ईयां मळसी इंयां मिनल रे हाथां मिनलपणो कदताई' रूळमी कदताई' विसवासां में विष घळसी बसा तो सरी आ सांच है या सपने में सपनो । धाई घोत्यां भूखी सूचछां अर नागी नेकरां रे हाथां भरोसो भाटाऊ तुलसो । काळो-पोळो कोडघां रा नाळ रा नाळ उकळते तेल में तळीजता देख समुची पोढी री आंख्यो रा डोरा होग्या है राता लाल । तात तव पर सिकती तीखं ताकळं पोयोड़ी मोठं गुलगुलं सो जूएा ठौड़ ठौड़ पसरघोड़े कीड़ी नगर सी पळगोडां रे पगां तळ रोजीना किचरीजतो देख म्हारे नंवां रो नंबोर पाछी पांगरे ।





